Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

A–246

B.A. (Part–II) N.C. Examination, 2022

HINDI LITERATURE

Paper - II

(नाटक एवं एकांकी)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **50** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए :

   (i) 'अंधेर नगरी' नाटक किस व्यवस्था की ओर संकेत करता है ?

   (ii) भारतेन्दु हरिश्चंद्र के किन्हीं **चार** नाटकों के नाम लिखिए।

(iii) 'कबीरा खड़ा बाजार में' नाटक के प्रमुख पात्रों के नाम बताइए।

(iv) कबीर का धर्म पर आघात करने वाले कोई **दो** पद लिखिए।

(v) 'एक और द्रोणाचार्य' के रचयिता का नाम बताइए।

(vi) 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक की मूल संवेदना अभिव्यक्त कीजिए।

(vii) 'एक तोला अफीम की कीमत' एकांकी के लेखक कौन हैं ?

(viii) 'साहब को जुकाम है' एकांकी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(ix) नाटक एवं एकांकी में कोई **तीन** अंतर बताइए।

(x) एकांकी के प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

खण्ड–ब

नोट :– निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द) :

2. जात ले जात, टके सेर जात। एक टका दो, हम अभी अपनी जात बेचते हैं। टके के बास्ते ब्राह्मण से धोबी हो जाय और धोबी को ब्राह्मण कर दे, टके के वास्ते जैसी कहो वैसी व्यवस्था कर दें। टके के वास्ते झूठ को सच करें। टके के वास्ते ब्राह्मण से मुसलमान, टके के वास्ते हिन्दू से क्रिस्तान। टके के वास्ते धर्म और प्रतिष्ठा दोनों बेचें, टके के वास्ते झूठी गवाही दें। टके के वास्ते पाप को पुण्य मानें, टके के वास्ते नीच को भी पितामह बनावे। वेद, धर्म्म-कुल मरजादा सचाई-बड़ाई सब टके सेर।

3. राम भजो राम भजो राम भजो भाई।

राम के भजे से गनिका तर गयी।

राम के भजे से गीध गति पाई।

राम के नाम से काम बने सब,

राम के भजन बिनु सबहि नसाई।

राम के नाम से दोनों नयन बिनु,

सूरदास भए कबिकुल-राई।

राम के नाम से घास जंगल की।

तुलसीदास भए भजि रघुराई।

4. **नीमा** : आये दिन तुम मुझे कोसते रहते हो। कबीरवा भी कहता था मैं घर से चला जाऊँगा। मेरी वजह से तुम लोग परेशान रहते हो।

नूरा : उस वक्त भी मेरी बायीं आँख फड़की थी जिस वक्त तू उसे उठा लाई थी। अन्दर से मेरे दिल ने कहा था कि नूरा भूल कर रहे हो, पर तू मेरे सिर पर सवार हो गई थी, मैं क्या करता।

5. माँ भी समझती है कि मैं लोगों को परेशान करता फिरता हूँ। माँ को मेरी पीठ पर पड़े घाव तो नजर आते है लेकिन मेरा दिल कैसा छलनी हो रहा है यह कोई नहीं देख पाता, सभी समझते हैं मैं आवारा हूँ, लोगों से उलझता फिरता हूँ, मेरी यह भटकन कब खत्म होगी ? मेरे मालिक क्या फिर वन में निकल जाऊँ ? मुझे शांति नहीं चाहिए। मुझे इस अंधेरे में रोशनी की लौ चाहिए। हर समय एक ही सवाल मेरे मन में घूमता रहता है अगर यह सब झूठ है तो फिर सच क्या है ?

6. मैं जानता था आपकी उखड़ी उखड़ी सी बातें नाम देने से इन्कार करना, वगैरह-वगैरह कुछ इस ढंग से आपने कहा कि मुझे शक हो गया। अफीम खाने के लिए अनुभव की जरूरत है कच्चा आदमी खा ही नहीं सकता मैं जानता हूँ। मैंने आपको हर्रे की गोली दे दी। आपने ले ली। आपको हर्रे और अफीम की कोई तमीज ही नहीं है।

7. प्रायश्चित ही करना है तो तुम भी आत्महत्या करो। लेकिन उसकी जरूरत नहीं। स्त्री का अपमान कोई नयी बात नहीं। वह तो होता ही रहा है। क्या तुम्हारा द्रोणाचार्य कौरवों की दासता छोड़कर चला गया ? क्या उसने तलवार उठायी। मेरा नाटक याद क्यों नहीं करते ? द्रोपदी का सार्वजनिक रूप से अपमान हुआ। द्रोणाचार्य वहीं खड़ा था। वह चुप क्यों रहा ? बोलो ! चुप क्यों रहा ? याद करो अपना नाटक, याद करो।

8. ''एक जमाना था कि मैं भी आप ही की तरह सपनों की दुनिया में बसेरा लेता था। लेकिन अब मैं जानता हूँ कि यह सब फिजूल है। ये थोथी बातें हैं। अगर तुम पत्तियों की पुकार सुनते रहे या बादल के टुकड़ों और गीत के स्वरों पर मोहित होते रहे तो बुरी तरह ठोकर खाओगे, बुरी तरह! तुम नौकरी करने आये हो, कोई खिलवाड़ करने के लिए नहीं। कविता, प्यार, गीत ..... छिः जानते हो तुम जिन्दगी के द्वार पर खड़े हो।''

खण्ड–स

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द) :

9. 'अंधेर नगरी चौपट राजा' नाटक की कथावस्तु एवं शीर्षक की उपयुक्तता भी सिद्ध कीजिए।

10. 'कबीरा खड़ा बाजार में' नाटक के आधार पर कबीर की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

11. ''एक और द्रोणाचार्य नाटक में वर्तमान शिक्षा प्रणाली की त्रुटियों के साथ-साथ पौराणिक महाभारत कालीन कथा को आधार बनाकर उस समय की विसंगतियों को उजागर करने का प्रयत्न किया है।'' इस कथन के आलोक में कथावस्तु की विशेषताएँ बताइए।

12. हिन्दी नाटक के उद्‌भव एवं विकास पर एक निबंध लिखिए।